SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: If he has got the figures, let him give.

SHRI Z. R. ANSARI: Yes, Maharashtra, in 1982-83 it was 75 per cent, in 1983-84 it was 90 to 100 per cent.

SHRI MURASOLI MARAN: Is it one hundred per cent? This is anti-social forestry, not social forestry.

SHRI Z. R. ANSRAI: In 1984-85 it was 20 to 95 per cent. The position is like this. Hon. Members are very much excited to hear the figure of 100 per cent. These figures vary from 20 per cent to 95 per cent. In certain patches the survival rate is only 20 per cent.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Mostly.

SHRI Z. R. ANSARI: In certain areas where these factors like animal grazing, bad management are not there and where there is better moisture, the survival rate is up to 95 per cent. Therefore, this variation is there.

श्री घनश्याम सिंह : : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो पिक्चर बताई है और सामाजिक वानिकी के बारे में जो कुछ कहा है, अगर वह वास्तव में सही है तो सवाल पूछने की कोई आवश्यकता नहीं है । लेकिन माननीय मंत्री जी से मैं यह जानना चाहता हूं कि विभाग की ओर से जो आंकड़े उन्हें उपलब्ध कराये गये हैं, क्या उन आंकड़ों की जांच करने के लिए वे कोई कमेटी बनाएंगे जिससे मालूम पड़े कि इन आंकड़ों में कितनी सत्यता है ? मैं समझता हूं कि ये आंकड़े सत्य नहीं हैं, यह मेरी अपनी जानकारी है ।

श्री जेड० आर० अन्सारी : सभापति जी, जहां तक कमेटी बनाने का सवाल है, कुछ दिनों के बाद श्री घनश्याम सिंह जी खुद कहेंगे कि इस कमेटी के कार्यों की जांच करने के लिए दूसरी कमेटी बनाई जाय । मैं यह अर्ज कर रहा था कि यह हमारा मानिटरिंग फूलप्रूफ नहीं है, कोई साइंटिफिक तरीका नहीं है । सही बात यह है कि प्लानटेशन के बाद हमारे आफिसर्स जाते हैं और कुछ एरियाज का देखकर उसका सर्वेक्षण करते हैं, उसको गिनते हैं, उसका एसैसमेंट करते हैं । जैसा मैंने कहा, यह एसैसमेंट साइंटिफिक नहीं है । इसमें गलती के इमकानात हो सकते हैं । फर्ज कीजिए कि प्लानटेशन के बाद दो तीन महीनों में सर्वेक्षण हुआ और उस वक्त सर्वाइवल का परसेन्टेज एक है, लेकिन अगर छः महीने या साल भर के बाद हो तो उसमें कुछ कमी आ सकती है । इस तरह से इसमें गलती के इमकानात हो सकते हैं, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है । इस बारे में कोई साइंटिफिक तरीका इवेल्यूशन का अभी तक अख्तियार नहीं हो पाया है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि कम पानी में लगने वाले वृक्षों को क्या आइडेन्टीफाई किया गया है ? अगर किया गया हैं तो वे कौन से वृक्ष हैं ?

श्री जेड० आर० अन्सारी : सभापति जी, यह तो...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Development of National Parks in Maharashtra

*263. SHRI NARESH C. PUGLIA: Will the Minister of TOURISM be pleased to stete::

(a) the particulars of the master plan for the development of National Parks in Maharashtra with a view to attracting tourists; and

(b) what is the estimated cost of development of these tourist spots and by when the work is likely to commence?

THE MINISTER OF TOURISM: (MUFTI MOHD. SAYEED): (a) The Ministry of Tourism has not prepared any master plan for the development of National Parks in Maharashtra.

(b) Does not arise.